15

tUrq'kkyk

प्रिय शिक्षार्थी, पिछले पाठ में आपने आपसी संस्कृत भाषा में आपसी वार्तालाप करते हुए पर्यटन के विषय में सीखा। इस पाठ में आप जन्तुशाला के विषय में पढ़ेगे। जन्तुशाला को प्राणी उपवन भी कहते हैं। यहाँ पर जीवित पशु–पक्षियों को बहुत बड़ी मात्रा में संरक्षित रखा जाता है। यहाँ पर उनके प्रजनन और चिकित्सा आदि की भी समुचित व्यवस्था होती है।

mís';

यह पाठ पढने के बाद आप सक्षम होंगे:

- संस्कृत भाषा के वाक्य का ज्ञान प्राप्त कर पाने में;
- जन्तुशाला के विषय में जान पाने में; और
- जन्तुशाला के जीवों का नाम संस्कृत भाषा में जान पाने में।

d{kk & V

fVIi.kh

15.1 tUrq'kkyk

jke% **jgeku%A g;% Ro d= vxPNr**

रहमान तुम कल कहाँ से आये थे ?

jgeku% vga tUrq'kkyk n"Ve vxPNeA

मैं जन्तुशाला गया था।

jke% **du lg Ro r= vxPNr**

तुम वहाँ किसके साथ गये थे ?

jgeku% vga ekguu lg r= vxPNeA

मैं वहाँ मोहन के साथ गया था।

jke% **fd ro Hkkfxuh vfi Ro;k lg r= vxPNr\~A**

क्या तुम्हारी बहन भी तुम्हारे साथ वहाँ गयी थी।

jgeku% **vkeA ee Hkfxuh vfi e;k lg r= vxPNr\~A**

हाँ, मेरी बहन भी मेरे साथ वहाँ गयी थी।

jke% **;w;a du ;kuu vxPNrA**

तुम सब किस यान से वहाँ गये।

jgeku% **o;a ekVj ;kuu r= vxPNkeA**

हम सब वहाँ बस से गये।

jke% **;w;a tUr|'kkyk;ka fde vi';rA**

आप सबने जन्तुशाला में क्या देखा।

jgeku% **o;a r= n'k&fon'kkuka vudku i'ku [kxkku p vi';keA tUr|'kkyk;ka flagk] xtk] exk] tyfgLru] HkYydkn;% i'ko% vklu A r= ,dk flagh vfi vklhr\~A rL;k% 'kkodk% r= vØhMu\~A r= rMkx o;a edjku vfi vi';keA tUr|'kkyk;ka cgo% okujk% vfi vklu\~A rs o{kk.kka 'kk[kklq vdnuA**

हमने वहाँ देश विदेश के अनेक पशुओं तथा पक्षियों को देखा जन्तुशाला में हाथी, हिरण, हिप्पोपोटेमस, भालु अदि जानवर थे। वहाँ पर एक शेरनी भी थी। उसके बच्चे वहाँ खेल रहे थे। वहाँ तालाब में हमने मगरमच्छ भी देखे। जन्तुशाला में बहुत से वानर भी थे। वे पेडों की शाखओं पर कूद रहे थे।

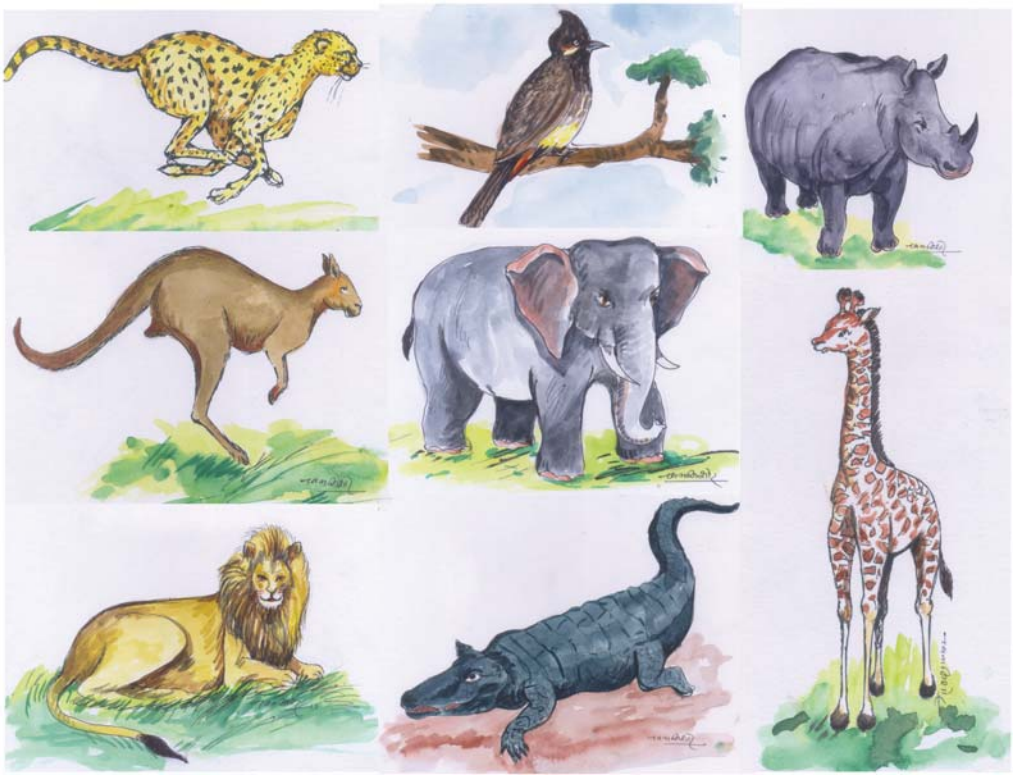

jke% **rRi'pkr~ ;w;a fde~ vdq:r**

उसके पश्चात आपने क्या किया?

d{kk & V

tUr|'kkyk

jgekul% rnk o;a lo vfrJkUrk% o;a tyikuxge vxPNke] r= p o;a 'khryis;e vfickeA rr% i'pkr o;a ekVj&;kuu Loxga iR;kxPNkeA

fVIi.kh

उसके बाद हम सभी बहुत थक गये थे। हम जलपान गृह में आये, और वहाँ हमने ठंडा पेय पिया। उसके बाद बस यान से अपने घर को आ गये।

ikBxr iz'u& 15-1

1. नीचे दिये गये रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) रहमानः! ह्यः त्वम् कुत्र .... ?

(ii) अहं .... सह तत्र अगच्छम्।

(iii) वयं मोटर यानेन तत्र .... ।

(iv) वयं तत्र देश–विदेशानां अनेकान् .... च अपश्याम।

(v) वयं .... अगच्छाम, तत्र च वयं शीतलपेयम् अपिबाम।

vkiu D;k lh[kk\

- नवीन संस्कृत शब्दों का प्रयोग।
- जन्तुशाला के विभिन्न जानवरों व पक्षियों का विवरण।

ikBkr iz'u

1. निम्न संस्कृत शब्दों का उच्चारण करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

   अगच्छः, जन्तुशाला, भगिनि, मोटरयानेन, पशून, खगाः, सिंह, मृगः, जलहिस्तनः, वानराः, जलपानम्, शीतलपेयम् आदि।

2. जन्तुशाला के विषय में संस्कृत में अपने शब्दों में लिखिए।

mÙkjekyk

15.1

(i) अगच्छत्:

(ii) मोहनेन

(iii) अगच्छाम

(iv) पशून् खगान्

(v) जलपानगृहम्